वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-05

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - स

इस खण्ड में विकल्प सहित चार प्रश्न सम्मिलित हैं। निम्नलिखित प्रश्नों में से दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 400 से 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 16 × 2 = 32

प्रश्न 1 हिन्दी निबन्ध के विकास में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है के प्रतिपाद्य व शिल्प की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 2 महादेवी वर्मा वृत भाभी रेखाचित्र के माध्यम से समाज में विधवाओं की स्थिति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

'चीड़ों पर चाँदनी के शिल्प पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्रश्न 3 संस्मरण लेखन में अज्ञेय का दाय सर्वधा भिन्न है।

अथवा

हिन्दी में रिपार्ताज लेखन कब से प्रारम्भ हुआ और इस में रांगेय राघव का क्या योगदान है।

प्रश्न 4 निर्मल वर्मा के क्या यात्रा-वृतान्त के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शरत अपने साहित्य और व्यवहार में मानववादी थे स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5 "अंधायुग के पात्र प्रतीकात्मक और मनोवैज्ञानिक रंगत लिए हुए है। उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

राकेश के नाटकों से आधुनिक जीवन में व्याप्त अकेलेपन, अवसाद, घुटन और तनाव की जानकारी मिलती है इस कथन को राकेश के नाटको के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6 एक कल्पनाशील, सक्रिय, परिश्रमी एवं योग्य निर्देशक लेखक की रंग परिकल्पना से इतर भी नाटय प्रस्तुति करवा सकता है।

अथवा

निबन्ध के वर्गीकरण पर एक लेख लिखिये।

प्रश्न 7 एक जीवनीकार को जीवनी लिखते समय साहित्य के रंजन तत्व, वण्य-विषय के जीवन-परिचय के साथ ही तरस्थता एवं आत्मयिता का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। कथन की समीक्षा करते हुए जीवनी विधा पर प्रकाश डालें।

अथवा

बालमुकुन्द गुप्त के जीवन एवं रचना का परिचय दीजिए।

प्रश्न 8 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य समझाइये।

अथवा

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवैदी के निबंधो की विशेषताएं बताइये।

प्रश्न 9 अंधायुग के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मानवीय संबंधों की अति संवेदनशीलता इस नाटक को समस्या नाटक बनाती है -स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 नाटक की रंगमंच पर प्रस्तुति की क्या-क्या और किस दिशा में संभावनाएं हो सकती है? समझाइए।

अथवा

'रिपोर्ताज साहित्यिक विधा नहीं होते हुये भी अपने गुणों के कारण साहित्य में भी उतनी ही प्रसिद्ध है जितनी आमजन में। कथन का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 11 आत्मकथा लिखते हुए आत्मकथाकार को किन महत्वपूर्ण पक्षों को ध्यान में रखना आवश्यक है और क्यों? बतलाते हुए हिन्दी की प्रमुख आत्मकथाओं का उल्लेख करें।

अथवा

पं रामचन्द्र शुक्ल के जीवन और रचना का संक्षेप में परिचय दीजिए।

प्रश्न 12 स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्यकारों का तथा उनके प्रमुख व्यंग्य निबन्धों का परिचय दीजिए।

अथवा

अपने पढ़े साहित्यकारों के अन्य संस्मरणों से 'उपन्यास सम्राट की तुलना कीजिए।

प्रश्न 13 संस्कृत नाट्य शास्त्र की नाटक विषयक मान्यताओं की समीक्षा कीजिए।

अथवा

हिन्दी नाट्य साहित्य के विकास में भारतेन्दु तथा द्विवेदी युगीन नाटकों का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 14 प्रसाद के नाटय कला के क्रमिक विकास का समीक्षात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

एकांकी कला के आधार पर 'संगमरमर का एक रात' को विश्लेषित कीजिए।

प्रश्न 15 'अंधायुग के पात्रों में सर्वाधिक प्रभावी चरित्र अश्वत्थामा का है। इस कथन को विश्लेषित करते हुए अश्वत्थामा का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

गीति नाट्य के रूप् में अंधायुग की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 16 राकेश को अखिल भारतीय नाट्यकार के रूप प्रतिष्ठित करने में 'आधे-अधूरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा है कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिन्दी के स्वतन्त्र्योतर निबन्धकारों में हरिशंकर परसाई का स्थान निर्धारित करते हुए उनके निबन्धों की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 17 हिन्दी रंगमंच के विकास में लोक नाट्य शैलियों के प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्रसाद के नाटय साहित्य का परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत करके 'चन्द्रगुप्त का स्थान निर्धारित कीजए।

प्रश्न 18 एकांकी कला के आधार पर 'आवाज का नीलाम एकांकी की विवेचना कीजए।

अथवा

अंधायुग में निरूपित आधुतिक बोध को स्पष्ट कीजिए और बताइये कि क्या यह गीतिनाटयात्मक प्रबन्ध युद्धोत्तर स्थितियों को समकालीन सन्दर्भ में प्रस्तुत करने में समर्थ हुआ हैं?

प्रश्न 19 समस्त हिन्दी नाट्य साहित्य की भाषा का चरम विकास हमें 'आधे-अधूरे में देखने को मिलता हैं। उक्त कथन की विवेचना कीजिए।

अथवा

हिन्दी निबन्ध की विकास यात्रा पर विवेचन विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 20 प्रेमचन्द की साहित्य का बुनियादी मूल्य संवेदना या उपन्यास सम्राट के आधार पर बताइये।

अथवा

विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा(जीवनी) के आधार पर बताइये कि दुर्भाग्य शरत का पीछा किस प्रकार करता रहा।

प्रश्न 21 प्रसाद के नाट्य साहित्य का परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत करके 'चन्द्रगुप्त को स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

प्रसाद जिस प्रवृत्ति और उद्देश्य को लेकर नाटक निर्माण मे तल्लीन हुए थे उसका चरम उत्कर्ष चन्द्रगुप्त नाटक में प्रकट होता है। सप्रमाण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 22 'अंधायुग के पात्र प्रतीकात्मक और मनोवैज्ञानिक रंगत लिए हुए है। उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

"राकेश की अखिल भारतीय नाटयकार के रूप में प्रतिष्ठित करने में 'आधे-अधरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 23 'किसी भी नाटक की मंचीय प्रस्तुति के लिए क्या-क्या आवश्यक है ? अपने अनुभव व परिवेशगत पडताल के आधार पर उत्तर दीजिए।

अथवा

हिन्दी निबन्ध की विकास यात्रा पर विवेचन विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 24 'व्यंग्य विधा साहित्य में प्रारम्भिक काल से हो रही है किन्तु स्वतन्त्र विधा के रूप में वह भारतेन्दु काल में ही विकसित हो सकी। कथन के आलोक में व्यंग्य विधा पर निबन्ध लिखिये।

अथवा

दिये गये अंश के आधार पर बताइये कि दुर्भाग्य शरत का पीछा किस प्रकार करता रहा ?

प्रश्न 25 संस्कृत नाटयशास्त्र की नाटक विषयक मान्यताओं की समीक्षा कीजिये।

अथवा

'चन्द्रगुप्त नाटक की कथावस्तु को ध्यान में रखते हुए सिद्ध कीजिए कि उसकी सब घटनाएँ संग्रहित है और यह प्रसाद का अपेक्षाकृत अधिक कलात्मक तथा सुगठित नाटक है।

प्रश्न 26 'अंधायुग के पात्रों में सर्वाधिक प्रभावी चरित्र अश्वत्यामा का है। इस कथन को विश्लेषित करते हुए अश्वत्थाम्मा का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'आधे-अधूरे नाटक का मूल प्रतिपाद्य क्या है ? उसके मनोवैज्ञानिक स्वरूप् का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 27 'रेखाचित्र और संस्मरण दोनों भिन्न विधाएँ है इस कथन के आलोक में रेखाचित्र और संस्मरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

अथवा

'अशोक के फूल में व्यक्त विचारो का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 28 महादेवी वर्मा कृत भाभी रेखाचित्र के माध्यम से समाप्त में विधवाओं की स्थिति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

'चीडो पर चादनी में किन-किन स्थलों के दृश्य प्रस्तुत किए गए है ? इसका ब्यौरा तैयार करें।

प्रश्न 29 नाटक से आप क्या समझते है ? नाटक के विविध प्रकारों का उल्लेख करे।

अथवा

धर्मवीर भारती के नाटकों के आधार पर उनकी नाटय दृष्टि की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 30 प्रसाद के नाट्य कला के क्रमिक विकास का समीक्षात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

एकांकी कला के आधार पर 'नदी प्यासी थी की आलोचना कीजिए।

प्रश्न 31 अंधायुग में निरूपित आधुनिक बोध को स्पष्ट कीजिए। और बताइये कि क्या यह गीतिनाटयात्मक प्रबन्ध युद्धोत्तर सिथतियों को समकालीन सन्दर्भ में प्रस्तुत करने में समर्थ हुआ है।

अथवा

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबन्ध कला पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 32 कथेतर विधाओं का साहित्य में क्या महत्व है? प्रतिपादित करते हुये किसी एक कथेतर विधा पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालिये।

अथवा

उग्र जी ने अपनी आत्मकथा में लाला भगवानदीन की किन विशेषताओं को उभारा है ?

प्रश्न 33 धर्मवीर भारती के नाटकों के आधार पर उनकी नाटय दृष्टि की विवेचना कीजिए।

अथवा

अंधायुग के पात्रों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुये उनकी प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 34 स्त्री-पुरूष के अहम की टकराहट के साथ परिवारे किस प्रकार बिखर जाते है उसका परिचय हमें 'आधे-अधूरे नाटक को पढकर होता है। 'आधे-अधूरे नाटक के आधार पर इस कथन को मीमांसा कीजिए।

अथवा

निबन्ध के वर्गीकरण पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न 35 हिन्दी गद्य के विकास को समझाते हुए कथेतर विधा के क्षेत्र में भारतेन्दु युग के योगदान को रेखांकित कीजिए।

अथवा

बालमुकुन्द गुप्त के जीवन एवं रचना का परिचय दीजिए।

प्रश्न 36 शुक्ल जी की भाषा-शैली पर 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था के सन्दर्भ में विचार कीजिए।

अथवा

ठिठुरता हुआ गणतंत्र में लेखक ने समय, समाज, सत्ता और व्यवस्था की किन-किन विसंगतियों पर प्रकाश डाला है ? सोदाहारण स्पष्ट कीजिए।